

## असाधारग EXTRACRDINARY

min 11-gre 1-30-Ens (i) PART II-Section 3-Sub-section (i) प्राधिकार से प्रकाशित PURESHED BY AUTHORITY

नई दिल्ली, बृहस्यतियार, दिसम्बर 5, 1991/अग्रहायन 14, 1913 A. 446 No. 446! NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 5, 1991/AGRAHAYANA 14, 1913

इस भाग में फिल्न पष्ठ संख्या ही हाती ही जिससे कि यह अलग संकलन की रूप में रखाजा सके

Separate Paring is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रात्य

(राजस्व विभाग)

ग्र**धिमुचना**ं

नई दिल्ली, 5 दिगम्बर, 1991

सं. 155/91-शोमाश्लक

सा.का.नि. 729(अ) --केन्द्रीय सरकार. अ.माशुल्क अधिलियम, 1962 (1962 का 52) की भारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त जिल्लायों का प्रयोग करते हुए, यह स्पाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा क्रना श्रावश्यक है, नोचे मारणो के स्तंभ (2) में विनिद्धिः छोर सामाण्यक टैरिक अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के श्रष्ट्याय 85 के अंतर्गत प्राने वाले माल को जब उसका प्रेस और पुस्तक रिजस्ट्रीकरण, अधिनियम 1867 (1867 का 25) की धारा 19क के अधीन नियुक्त भारत के अमाचारण रिजस्ट्रीकरण के पास राजस्ट्रीकरण किसी समाचारण स्थापन द्वारा भारत में आधान किया जाता है,---

(i) उक्त पहली धनुषूची में विनिर्विष्ट उस पर उव्यवहणीय सोमाशुल्क के उत्तने भाग से श्रितना मूल्य के 10 प्रतिगत की वर से संगणित रकम से अधिक है, भीर

- (ii) सीमाणुल्क टैरिक प्रधिनियम, 1975 (1975 का 51) की भ्रास 3 के प्रश्नीन उस पर उद्बह्णोय समस्त प्रतिस्कित णुल्क से; इस वर्त के प्रश्नीन रहते हुए, छूट देवों है कि प्रायातकारी ग्रायात के समय मीमाणुक्क सहायक कलक्टर के ममअ--
  - (i) भारत के समाचार पक्ष रिजस्ट्रार द्वारा आर्थी किया गरा एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करता है जिल्लें इस प्रक्षित्वना के प्रक्षीन छूट दिए जाने की सिफारिश की जाती हैं ; भीर
  - (11) इस धाशम का एक वचनबंध प्रस्तुत करता है कि उक्त माल उसके कब्जे, नियंत्रण ग्रीर उपयोग में रहेगा तथा ग्रायात किए जाने की तारीख से पांच वर्ष की ग्रवधि तक उसका विकय नहीं किया जाएगा या उससे जिलग नहीं किया जाएगा ग्रीर यदि उक्त माल की सत्पक्ष्मात् विकय किया जाता है सो विकय भारत के समाचारपत रजिस्ट्रार से दी गई ग्रन्ता के ग्रधीन होगा।

#### सारणी

#### कम सं.

#### माल का वर्णन

- समाचारपदा पृष्ठ पारेषण भौर ग्रिमग्रहण ग्रनुलिपि प्रणाली :
- 2. टेलीफांटो पारेषण भौर भिम्महण भणाली ।

[फा. सं. 348/44/91-दी घारयू]

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

#### NOTIFICATIONS

New Delhi, the 5th December, 1991

### No. 155|91-CUSTOMS

G.S.R. 720(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the goods specified in column (2) of the Table below, and falling within Chapter 85 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India by a newspaper establishment registered with the

Registrar of Newspapers for India appointed under section 19A of the Press and Registration of Books Act, 1867 (25 of 1867), from—

- (i) so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule as is in excess of the amount calculated at the rate of 10 per cent advalorem, and
- (ii) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975);

subject to the condition that the importer at the time of import produces before the Assistant Collector of Customs—

- (1) a certificate issued by the Registrar of Newspapers for India recommending the grant of exemption under this notification; and
- (2) an undertaking to the effect that the said goods shall remain in his possession, control and use and shall not be sold or parted with for a period of five years from the date of importation and in case the said goods are sold thereafter, the sale shall be subject to the permission granted from the Registrar of Newspapers for India.

#### **TABLE**

## S. No. Description of goods

 $(1) \qquad (2)$ 

1. Newspaper page transmission and reception fascimile system.

2. Telephoto transmission and reception system.

[F. No. 346|44|91-TRU]

## म. 156/91-सीमा**ग्**ल्क

सा.का.नि. 721(म)---केन्द्रीय सरकार, विस्त मधिनियम, 1991 (1991 का 18) को धारा 3 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमागुल्क मधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस गक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना मावग्यक है, भारत सरकार के वित्त मंद्रालय (राजस्य विभाग) की ग्रिधित्वना म. 27/91-मीमागुल्क, तारीख 14 मार्च 1991 में निम्निजिखित भौर संगोधन करती है, मर्थात्:---

उन्त प्रधिसूचना की प्रतृसूची में, कम सं. 70 घोर उससे सबधित प्रविष्टि के परचात् निस्नलिखित कम स. ग्रीर प्रविष्टि घंतःस्थापित की जाएगी, प्रयत्ः—

'74गं 155/91-मोमाणुलक, तारीख 5 दिसम्बर, 1991 ।

[का. स. 346/44/91-टीभारयू] या. था. हरिह∕त, प्रश्र सचिव

# NO. 156|91-CUSTOMS

G.S.R 721(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 3 of the Finance Act, 1991 (18 of 1991), the Central Government, being atified that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 27|91-Customs, dated the 14th March, 1991, mamely:—

In the Schedule to the said notification, after Sl. No. 73 and the entry relating thereto, the following Sl. No. and the entry shall be inserted, namely:—

"74. No. 155 91-Customs, dated the 5th December, 1991.".

[F. No. 346|44|91-TRU] V. V. HARIHARAN, Under Secy.